अनुसंधान – १९९८ – १२

संपादक - विजयशीलचन्द्रसूरि

मुख्य टाइटल
सम्पादकीय निवेदन
अनुक्रमणिका
मातृकाप्रकरण – एक महत्त्वपूर्ण अभ्यसनीय कृति – विजयशीलचन्द्रसूरि, हरिवल्लभ भायाणी ---- १-४८
ज्ञानधर्मकृत दामन्नककुलपुत्रक-रास – कल्पना के. शेठ ------------------------------------- ४९-७०
सप्तदलं लेखमलम् एक संस्कृत पत्र – विजयशीलचन्द्रसूरि ------------------------------------- ७१-८०
श्रीसहजकीर्ति उपाध्याय रचित श्रीपार्श्वनाथ-महादंडक स्तुति – प्रद्युम्नसूरि ----------------------- ८१-८९
एक पत्र – मुनि भुवनचन्द्र -- ९०-९२
Some Notes on the Bauddha Sahajayani Siddha-Natha Tradition – H. C. Bhayani----- 93-104
Saraha's मातृका प्रथमाक्षर दोहक in Apbhramsa--93-96
Were Santi and Bhusaka the same or different ? ---97-99
One more instance of the Jhambadaka Song in Apabramsa -------------------------------- 100-101
On the Names of Some Siddha-nathas --- 102-104
सांकळियुं – अनुसंधान-१ थी १२ अंकोनुं – साध्वी श्री चारुशीलाश्रीजी ---------------------- १०५-१३४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org